

न्यूज डायरी

भाजपा बुनकर प्रकोष्ठ के 10 जिलों में जिला संयोजकों की नियुक्ति, संगठन को मिलेगी मजबूती : शिव शरण चौहान

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी हिमाचल प्रदेश बुनकर प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक शिव शरण चौहान ने भाजपा के शीर्ष प्रदेश नेतृत्व से विचार-विमर्श के उपरांत बुनकर प्रकोष्ठ के 10 जिलों के जिला संयोजकों की नियुक्तियों की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि संगठन को जिला स्तर पर सशक्त बनाने तथा बुनकर समाज से जुड़े लोगों को पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों से जोड़ने के उद्देश्य से ये नियुक्तियां की गई हैं। शिव शरण चौहान ने बताया कि शिमला से गज्ज सुद, हमीरपुर से कांता देवी, सुंदरनगर से विककी शर्मा, ऊना से प्रेम चंद, नूरपुर से संजीव कुमार, लाहौल-स्पीति से प्रेम सिंह, पालमपुर से सुरेन्द्र कुमार, किन्नौर से विद्या सागर, मंडी से लाल दास तथा चम्बा से बिमला देवी को जिला संयोजक नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी संगठन के प्रत्येक प्रकोष्ठ को मजबूत बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। बुनकर प्रकोष्ठ का उद्देश्य बुनकरों, हस्तशिल्पियों और पारंपरिक कारीगरों से संवाद स्थापित करना तथा उनके सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण से जुड़े विषयों को प्रमुखता से उठाना है। शिव शरण चौहान ने सभी नवनीयुक्त जिला संयोजकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे संगठन द्वारा सौंपे गए जवाबदाारी पूरी निष्ठा, समर्पण एवं सक्रियता के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि जिला संयोजक अपने-अपने क्षेत्रों में संगठन के विस्तार, कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय तथा बुनकर समाज की समस्याओं और सुझावों को संगठन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

बीआरओ के महानिदेशक ने राज्यपाल से की भेंट

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल हरपाल सिंह ने आज लोक भवन, शिमला में राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता से भेंट की।

इस दौरान लेफ्टिनेंट जनरल हरपाल सिंह ने राज्यपाल को हिमाचल प्रदेश में बीआरओ द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं पहलों की जानकारी दी। उन्होंने चुनौतीपूर्ण भौगोलिक और प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियों के बावजूद सड़क संपर्क बनाए रखने के लिए संगठन द्वारा किए जा रहे प्रयासों से भी अवगत करवाया।

राज्यपाल ने प्रदेश के दूरदराज और सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सड़क संपर्क को सुदृढ़ बनाने में बीआरओ की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से हिमालयी क्षेत्रों में सीमावर्ती और दुर्गम इलाकों के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए मजबूत, टिकाऊ और लचीली बुनियादी अंधोसंरचना के महत्व पर बल दिया।

राज्यपाल ने प्रदेश में सड़क संपर्क को और बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास जारी रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि बुनियादी अंधोसंरचना के विकास के साथ-साथ सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और आपदाओं से निपटने की तैयारियों को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

शाहपुर में 78 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्य प्रगति पर: केवल सिंह पटानिया

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए वीरवार को शाहपुर स्थित लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पटानिया की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागीय अधिकारियों के साथ विभिन्न विकास परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति पर विस्तृत चर्चा की गई तथा सभी कार्यों को निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान केवल सिंह पटानिया ने बताया कि शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत लगभग 78 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्य प्रगति पर हैं। इनमें भवन निर्माण, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) तथा नाबार्ड के तहत संचालित विकास परियोजनाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं का उद्देश्य क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करना और आम जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाना है।

उन्होंने बताया कि शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न भवनों के निर्माण कार्यों पर लगभग 22 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

सुख्खू सरकार को उखाड़ फेंकने का प्रदेशकी जनता ने मन बनालिया है : जयराम ठाकुर

हिन्द जनपथ

मंडी/करसोग(ब्यूरो)।पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर करसोग विधानसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों के सम्मान समारोह में शामिल हुए। सभी नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं देते हुए जनहित के लिए समर्पित रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जिस तरीके से स्थानीय निकाय और पंचायती राज के चुनावों में कांग्रेस का स्पूढ़ा साफ किया है, उसी तरीके से विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस कहीं नजर नहीं आनी चाहिए। अब लड़ाई जीत की नहीं, जीत के मीर्जिन को दोगुना करने की है। जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मैं प्रदेश भर में जा रहाहुं। हर जगह लोगों का उत्साह देखकर आने वाले परिणामों का सहजजीब अंदाजा लगाया जा सकता है। प्रदेश के लोगों ने इस नाकाम सरकार को उखाड़ फेंकने का पूरा मन बना लिया है। इस बार भारतीय जनता पार्टी की, ऐतिहासिक जीत होगी और आने वाली डबल इंजन की सरकार प्रदेश में ठप पड़े विकास के कामों को फिर से नई गति के साथ आगे बढ़ाएगी। आपदा से सड़कें तबाह हुईं, लेकिन वे दूरदस्त नहीं की गईं। जिन सड़कों पर पहलू गाड़िय़ां दौड़तीथीं, वे इस कदर तहस-नहस हैं कि उन पर खच्चर चलाने पड़ रहे हैं। विकास के काम पर तो सरकार ने ‘फुलस्टॉप’ लगादिया है।

जयराम ठाकुर ने कहा कि व्यवस्था

हिमाचल हिमाचल में 110 मार्गों पर ड्रोन से पहुंचेगी डाक और पार्सल

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। हिमाचल प्रदेश के दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में अब डाक और पार्सल पहुंचाने के लिए ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। डाक विभाग प्रदेश में 110 मार्गों पर ड्रोन के माध्यम से डिलीवरी शुरू करने की तैयारी कर रहा है। इनमें से 36 मार्ग पर यह सेवा शुरू हो चुकी है और इसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। इससे दूरदराज के गांवों तक डाक पहुंचाने में लगने वाला समय कम होने के साथ सेवा का विश्वसनीयता भी बढ़ेगी। मुख्य पोस्टमास्टर जनरल संजय सिंह ने शुक्रवार को विश्व डाक दिवस के अवसर पर यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि हिमाचल जैसे पर्वतीय राज्य में दुर्गम क्षेत्रों तक डाक पहुंचाना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। इसे ध्यान में रखते हुए डाक विभाग आधुनिक तकनीक अपना रहा है। इसी पहल के तहत 13 अगस्त को मंडी प्रधान डाकघर से रेहरधार शाखा डाकघर तक राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे की ड्रोन से डिलीवरी कर इस सेवा की शुरुआत की गई थी। अब इसे 110 मार्गों तक विस्तारित करने की योजना है।

प्रदेश में 2797 डाकघर, 8958 कर्मचारी दे रहे सेवाएं

छात्रा ने मासूमियत से पूछा- ‘सर, क्या हमारे स्कूल का नया भवन बनवा देंगे?’ सीएम ने सुनी बात, दो करोड़ जारी

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। एक छात्रा का सवाल, अपनी पढ़ाई को लेकर उसकी चिंता और मुख्यमंत्री से एक छोटी-सी उम्मीद। रोहडू के एक सरकारी स्कूल में छात्रा ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से पूछा था, ‘क्या आप हमारे स्कूल के लिए नया भवन बनवाकर देंगे?’ छात्रा का यह सवाल महज एक नए भवन की मांग नहीं था, बल्कि अपनी पढ़ाई के लिए बेहतर सुविधाएं पाने की उम्मीद भी थी। मुख्यमंत्री ने उसकी बात सुनी और अब इस दिशा में पहला कदम उठाते हुए सरकार ने स्कूल भवन के निर्माण के लिए दो करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं।

शिमला जिले के रोहडू स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला के नए भवन के लिए योजना विभाग ने लोक निर्माण विभाग को धनराशि स्वीकृत करने संबंधी पत्र जारी कर दिया है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने एक अक्टूबर को अपने रोहडू प्रवास के दौरान विद्यार्थियों से संवाद करते हुए छात्रा की मांग पर दो करोड़

रुपये देने की घोषणा की थी। अब इस घोषणा के अनुरूप धनराशि जारी कर दी गई है।

बढ़ती छात्र संख्या के बीच पढ़ाई की चिंता

मुख्यमंत्री के साथ संवाद के दौरान छात्रा ने स्कूल की

समस्या बताते हुए कहा था कि सीबीएसई से संबद्धता मिलने के बाद विद्यार्थियों की संख्या बढ़ गई है। ऐसे में अगले शैक्षणिक सत्र से स्कूल को दो शिफ्टों में चलाने की योजना है। इससे विद्यार्थियों के सामने नई परेशानी खड़ी हो सकती है।

छात्रा ने बताया कि बसों की उपलब्धता से जुड़ी दिक्कतों के कारण करीब 50 प्रीतिशत विद्यार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इससे न केवल उनकी पढ़ाई प्रभावित होने की आशंका है, बल्कि कुछ विद्यार्थियों को भवनलगा पड़ सकता है। अपनी ओर अपने साथियों की इस चिंता को छात्रा ने सीधे मुख्यमंत्री के सामने रखा और नए

भवन की मांग की।

जे.बी.टी. पोस्ट कोड 25004 के चयनित उम्मीदवारों का दस्तावेज सत्यापन 12 एवं 13 को

हिन्द जनपथ

सोलन (ब्यूरो)। पोस्ट कोड 25004 के तहत जूनियर बेसिक टीचर (जेबीटी) के पद पर चयनित उम्मीदवारों के दस्तावेजों का सत्यापन 12 व 13 अक्टूबर, 2026 को किया जाएगा। यह जानकारी उप निदेशक स्कूल शिक्षा (प्रारम्भिक) सोलन ने दी।

उन्होंने कहा कि दस्तावेजों का सत्यापन 12 एवं 13 अक्टूबर, 2026 को प्रातः 10.30 बजे से सांय 05.00 बजे तक किया जाएगा।

उन्होंने सभी सम्बन्धित उम्मीदवारों से आग्रह किया है कि निर्धारित तिथि निर्धारित समयावधि निर्धारित स्थान पर सभी मूल प्रमाण पत्रों एवं दस्तावेजों तथा एक स्व

प्रमाणित छायाप्रति सहित उपस्थित रहें। उन्होंने कहा कि दस्तावेज सत्यापन के लिए शैक्षणिक एवं व्यवसायिक योग्यता का मूल प्रमाण पत्र, शिक्षक योग्यता परीक्षा प्रमाण पत्र, रोजगार कार्यालय पंजीकरण पत्र, हिमाचली बोनाफाईड प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र, सम्बन्धित श्रेणी प्रमाण पत्र, अन्य आरक्षण सम्बन्धी प्रमाण पत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों सहित उपस्थित होना होगा।

उप निदेशक ने कहा कि 12 अक्टूबर, 2026 को निर्धारित स्थान एवं निर्धारित समयावधि में 01 से 25 तक क्रमांक वाले अर्थस्थी तथा 13 अक्टूबर, 2026 को क्रमांक 26 से 55 तक दस्तावेज सत्यापन होगा।

हिमाचल

हिमाचल में 110 मार्गों पर ड्रोन से पहुंचेगी डाक और पार्सल



चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में 7,94,403 नए खाते खोले गए। वहीं, डाक जीवन बीमा के तहत 41,943 नई पॉलिसियां जारी की गईं, जिनकी कुल बीमा राशि 1730.65 करोड़ रुपये है। प्रदेश में वर्तमान में 3.56 लाख डाक जीवन बीमा पॉलिसियां सक्रिय हैं।

आधार और पासपोर्ट सेवाओं के तहत भी डाक विभाग ने महत्वपूर्ण काम किया है। इस अवधि में 2,00,197 आधार नामांकन और अपडेट किए गए, जबकि डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्रों के माध्यम से 25.66 पासपोर्ट आवेदनों का प्रसंस्करण हुआ। चालू वित्त वर्ष में अब तक 177 डाक चौपाल शिविर आयोजित किए गए हैं। प्रदेश में इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के 8.80 लाख खाते

कुलदीप राठौर का केंद्र और चुनाव आयोग पर बड़ा हमला

CEC को बर्खास्त करने और PM मोदी ई समेत शाह से इस्तीफे की मांग

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। अखिल भारतीय कांग्रेसकमेटी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एव्हंठयोग सेविधायक कुलदीपसिंह राठौर ने शुक्रवार को शिमला में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर देश में वोटर लिस्ट में की जा रही कथित धांधलियों और विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) प्रक्रिया को लेकर केंद्र सरकार तथा चुनाव आयोग पर कड़ा प्रहार किया है। राठौर ने मुख्य चुनाव आयुक्त को तत्काल बर्खास्त करने तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृह मंत्री अमित शाह से इस्तीफे की मांग की है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए कुलदीप सिंह राठौर ने आरोप लगाया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) की आड़ में देशभर में 13 करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम दोहरा लिस्ट से काट दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि ‘पेन के एक ही स्ट्रोक’ से इतने नागरिकों का मताधिकार छीन लिया गया, जो दुनिया के कई देशों की कुल आबादी से भी अधिक है। राठौर ने कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने साक्ष्यों के साथ उजागर किया है कि किस तरह भाजपा के पक्ष में वोटों को जोड़ा जा रहा है और जो वोट पक्ष में नहीं लग रहे, उन्हें काटा जा

रहा है। राठौर ने कहा कि देश में इस समय अराजकता की स्थिति बनी हुई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार आगाह कर रहे थे कि देश का लोकतंत्र और संविधान खतरे में है। आज यह सच्चाई सभी के सामने है।ऐसे में लोकतंत्र, संविधान और न्याय की रक्षा के लिए कांग्रेस सड़कों पर उतरकर संघर्ष कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया गया और अब चुनाव आयोग को हाईजैक कर लिया गया है। उन्होंने पश्चिम बंगाल और बिहार में वोट काटे जाने का मुद्दा उठाते हुए वहां की सरकारों के गठन पर भी सवाल खड़े किए।

विरोध प्रदर्शनों को दबाने का आरोप

कांग्रेस नेता ने कहा कि जब राहुल गांधी के नेतृत्व में 300 सांसद चुनाव आयोग के कार्यालय जा रहे थे, तो उन्हें रोक दिया गया। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन रोकने के लिए धारा 163 लगा दी गई।दिल्ली में एक लाख से अधिक पुलिसकर्मी और 30 हथार अर्धसैनिक बल तैनात कर जनता वविपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 19 नागरिकों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार देता है, लेकिन सरकार इसका भीहनन कर रही है।

हिमाचल में 3000 करोड़ की 340 सड़कों को जल्द मिलेगी मंजूरी

पीएमजीएसवाई-4 के दूसरे चरण में 1659 किलोमीटर सड़कों का होगा निर्माण, 128 करोड़ के पुल भी होंगे स्वीकृत

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। हिमाचल प्रदेश में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-4 (पीएमजीएसवाई-4) के दूसरे चरण के तहत करीब 3000 करोड़ रुपये की लागत से 340 सड़कों के निर्माणों को जल्द मंजूरी मिलने की उम्मीद है। इन सड़कों की कुल लंबाई 1659 किलोमीटर होगी। लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने शुक्रवार को शिमला में पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने बतायाकि इन सड़कों की स्वीकृति से संबंधित सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं और केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय से जल्द

मंजूरी मिलने की संभावना है।

लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि प्रदेश में ग्रामीण सड़क संपर्क को मजबूत करने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। पीएमजीएसवाई-4 के तहत इससे पहले 2300 करोड़ रुपये की लागत से 1500 किलोमीटर लंबाई वाली 290 सड़कों के निर्माणों को केंद्र सरकार से मंजूरी मिल चुकी है। इन सड़कों पर काम विभिन्न चरणों में चल रहा है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश के दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों को सड़क सुविधा से जोड़ने के लिए 128 करोड़ रुपये की लागत वाली पुल निर्माण परियोजनाओं को भी जल्द स्वीकृति दिलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इससे प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में सड़क संपर्क बेहतर बनाने में मददमिलेगी।

विकास परियोजनाओं के लिए

मातृ शक्ति के नाम रही 22वें हिमाचल उत्सव की पांचवीं सांस्कृतिक संध्या

हिन्द जनपथ

सोलन (ब्यूरो)। 22वें हिमाचल उत्सव की पांचवीं सांस्कृतिक संध्या मातृ शक्ति को समर्पित रही। संध्या में डायनामिक इंडिया युवा मंडल के अध्यक्ष पंकज गुप्त की माता श्रीमती संतोष सुद, उपाध्यक्ष मुकेश शर्मा एडवोकेट की माता श्रीमती कमलेश शर्मा तथा महासचिव कीर्ति कौशल की माता श्रीमती स्नेहलता शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। इस अवसर पर श्रीमती वीना अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं, जबकि कांग्रेस नेता दीपक राठौर और बलदेव ठाकुर भी विशेष अतिथियों के रूप में कार्यक्रम में मौजूद रहे। पांचवीं सांस्कृतिक संध्या का प्रमुख आकर्षण हिमाचल आइडल गायन

प्रतियोगिता रही। पिछले दो

दिनों में चयनित प्रतिभागियों ने अपनी गायन प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों का आकलन जाने-माने गायक एवं संगीत गुरु सोनु भारद्वाज ने किया। आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता का परिणाम हिमाचल उत्सव के आधिकारिक पेज पर जारी किया जाएगा तथा चयनित विजेताओं को रविवार को आयोजित समारोह में पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

प्रदेशभर से पहुंचे कलाकारों ने बांधा समॉ

सांस्कृतिक संध्या में हिमाचल प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन



किया। ‘मेरा भोला है भंडारी’ फेम सुरेश वर्मा, सुदर्शन बबलू, अजय भारद्वाज और ऊना जिलों में चल रही एचपीशिवा और कांगड़ी गायक मोहित गर्ग ने एक से बढ़कर एक गीत प्रस्तुत कर खूब तालियां बेटोरीं।

कार्यक्रम का खास आकर्षण राजगढ़ के गायक सुदर्शन दीवाना रहे। उनकी

सिरमौरी नाटियों पर युवा दर्शक देर तक थिरकते नजर आए। वहीं ऊना से पहुंचे गायक दीपक ने भी अपनी प्रस्तुतियों से खूब रंग जमाया।

सोलन की गायिकाओं इंदु बाला, श्वेता राणा और भावना तंवर की प्रस्तुतियों को भी दर्शकों ने खूब सराहा।

कार्यक्रम के दौरान

डायनामिक इंडिया युवा

मंडल के संस्थापक अध्यक्ष पंकज वर्मा, संस्थापक उपाध्यक्ष मुकेश शर्मा एडवोकेट और संस्थापक महासचिव कीर्ति कौशल सहित युवा मंडल के सदस्य अंकुश सुद, मनोज ठाकुर, रजत और विजय आदि ने सभी अतिथियों और कलाकारों का स्वागत किया।

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। हिमाचल प्रदेश में एचपी शिवा परियोजना के पहले चरण के तहत 3000 हेक्टेयर क्षेत्र में सभी गतिविधियां 28 फरवरी, 2027 तक पूरी करनी होंगी। राजस्व, बागवानी, जनजातीय विकास एवं जनशिकायत निवारण मंत्री जगत सिंह नेगी ने अधिकारियों कोनिर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी कार्य पूरे करने और तैयार क्लस्टरों को किसानों को हस्तांतरित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि समय पर काम पूरा नहीं होने की स्थिति में संबंधित ठेकेदारों और अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

जगत सिंह नेगी की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में बिलासपुर, हमीरपुर, मंडी, कांगड़ा, सोलन, सिरमौर और ऊना जिलों में चल रही एचपीशिवा परियोजना की प्रगति का जायजा लिया गया। एग्रिफाई विकास बैंक (एडीबी) के वित्तपोषण से संचालित इस परियोजना के पहले चरण में 3000 हेक्टेयर क्षेत्र विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया

10 व 11 अक्टूबर को सोलन विधानसभा क्षेत्र के प्रवास पर

सोलन (ब्यूरो)। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शॉडिल 10 व 11 अक्टूबर, 2026 को सोलन विधानसभा क्षेत्र के प्रवास पर आ रहे हैं। डॉ. शॉडिल 10 अक्टूबर, 2026 को रात्रि 07.00 बजे ठोड़ी मैदान में आयोजित हिमाचल उत्सव में मुख्यअतिथि होंगे। स्वास्थ्यमंत्री 11 अक्टूबर, 2026 को दोपहर 01.00 बजे कण्डाघाट उपमंडल के ममलीगं में राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूल के भवन निर्माण कार्य, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बशील के भवन निर्माण कार्य तथा बशील गांव के लिए सम्पर्क मार्ग के स्तरोन्नयन कार्य का भूमि पूजन करेंगे।

संक्षिप्त

समाचार

पीईआरएम से सरपेंड होने के बाद टीसीएस का आया रि एक्शन

नई दिल्ली, एंजेंसी। अमेरिका ने टीसीएस, कॉग्निजेंट, इन्फोसिस, विप्रो, एचसीएल,



कैपजेमिनी, माइक्रोसॉफ्ट और एडोब समेत आठ आईटी कंपनियों को ‘परमानेंट लेबर सर्टिफिकेशन’ प्रोग्राम से सरपेंड कर दिया है। इस कार्यक्रम के तहत कंपनियां एच- 1बी वीजा पर काम करने वाले कर्मचारियों के लिए ‘ग्रीन कार्ड’ को आवेदन कर सकती हैं। इस कड़े अमेरिकी कदम से भारतीय आईटी सेक्टर के लिए वर्कफोर्स मैनेजमेंट और एम्प्लॉयी रिश्तेशन का संकट गहरा गया है। साथ ही अमेरिकी बाजार में इन कंपनियों के संचालन और मुनाफे पर बड़ा दबाव बन गया है। इस बीच टीसीएस ने अमेरिका के इस कदम पर प्रतिक्रिया जताई है। कंपनी का कहना है कि हमने अमेरिका सरकार के परमानेंट लेबर सर्टिफिकेशन प्रोग्राम के अनाउंसमेंट को देखा है। टीसीएस डिपार्टमेंट ऑफ लेबर के किसी भी निर्देश का पालन करेगी। अमेरिका में हमारी वर्कफोर्स स्ट्रेटेजी लोकल टैलेंट को हायर करने पर आधारित है, जिसे एक मजबूत फेडस रिक्रूटमेंट मॉडल का सपोर्ट मिला है। टाटा ग्रुप की आईटी कंपनी ने कहा कि हम अगले 5 साल में अमेरिका में और 15,000 लोगों को हायर करेंगे, ताकि हमारे लोकल वर्कफोर्स को और बढ़ाया जा सके। पिछले दो साल में हमारे एप्लीकेशन सिंगल डिजिट में थे और इसलिए हमें उम्मीद नहीं है कि प्रोग्राम के सस्पेंशन से अमेरिका सरकार पर हमारी वर्कफोर्स स्ट्रेटेजी और कस्टमर एंगेजमेंट पर कोई असर पड़ेगा। इस बीच टीसीएस के शेयरों में आज काफी तेजी आई है। बीएएसई पर कंपनी का शेयर पिछले सत्र में 2,075.25 रुपये पर बंद हुआ था और आज 2,088.85 रुपये पर खुला।

शुरुआती कारोबार में यह चार फीसदी से ज्यादा 8वां वेतन आयो ग: फिटमेंट फैक्टर 3.833 या 4.0 से कर्मचारियों की सैलरी में आ एगा अंतर

नईदिल्ली, एंजेंसी। 8वें वेतन आयोग की बेंगलुरु में हुई बैठक खत्म हो गई है। अब अगली बैठक 22



अक्टूबर से मुंबई में शुरू होगी। आयोग अब तक चंडीगढ़, जयपुर, पुडुचेरी और दिल्ली में बैठकें कर चुका है। इन बैठकों में मुख्य चर्चा फिटमेंट फैक्टर, सैलरी रिवीजन और पेंशन सुधार पर हो रही है। अलग- अलग कर्मचारी यूनियनों और संगठनों ने अपने मेमोरेंडम में इन मुद्दों पर सुझाव दिए हैं। अब केन्द्रीय कर्मचारियों के मन में सबसे बड़ा सवाल है कि 8वें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर कितना होगा सबसे पहले यह समझें कि फिटमेंट फैक्टर आखिर ऐसी क्या चीज है, जिसको लेकर इतनी चर्चा हो रही है। बता दें फिटमेंट फैक्टर एक गुणक है, जिससे मौजूदा बेसिक पे और पेंशन को बढ़ाया जाता है। फिटमेंट फैक्टर सिर्फ मिनिमम सैलरी तय नहीं करता। इसका असर पेंशन, बेसिक पे और पूरी सैलरी स्ट्रक्चर पर पड़ता है। इसलिए कर्मचारियों, पेंशनरों और स्टेकहोल्डर्स के लिए यह बड़ा मुद्दा बना हुआ है। भारतीय प्रतिरक्षा मजदूर संघ ने 4 फिटमेंट फैक्टर की मांग की है। जबकि, नेशनल काउंसिल और ऑल इंडिया डिफेंस एम्प्लॉइज फेडरेशन ने 3.833 की मांग को है। लेवल – 1 कर्मचारी की बेसिक पे पर अगर गणना करें, तो 3.833 और 4 के बीच करीब 3,006 रुपये प्रति माह का अंतर बनता है। सालाना आधार पर यह करीब 36,072 रुपये होता है। यह सिर्फ बेसिक पे का फर्क है।

देश में बिजली की मांग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची

नई दिल्ली, एंजेंसी। भारतीय अर्थव्यवस्था में इस समय एनर्जी की मांग लगातार बढ़ रही है। बिजली यानी कुछ ज्यादा ही बढ़ रही है। इस समय देश में बिजली की मांग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। होर्मुज संकट के इस समय में जिस तरह से नेचुरल गैस और पेट्रोलियम पदार्थ की कीमतें बढ़ रही हैं सप्लाई घटी है, उसमें कोयले से ज्यादा से ज्यादा बिजली पैदा करने पर जोर है। लेकिन थर्मल पावर प्लांट में कोयले का स्टॉक क्रिटिकल लेवल पर पहुंच गया है। तभी तो स्पांट मार्केट में बिजली की कीमत दूनी तक चली गई है।

एक्सचेंज में कीमत हो गई दूनी

इस साल सितंबर महीने के दौरान स्पांट मार्केट में बिजली के दाम दूने से भी ज्यादा बढ़े हैं। इंडियन एनर्जी एक्सचेंज या ट्रुथव्ज़ में इस महीने बिजली की औसत कीमत 7.30 रुपये तक चली गई। यह पिछले साल के इसी महीने के मुकाबले 105 फीसदी ज्यादा है। मतलब कि जिन राज्यों या डिस्कॉम के पास बिजली खरीद का पर्याप्त पावर पर्वेज एग्ग्रीमेंट नहीं है, उन्हें स्पांट मार्केट से बिजली खरीद कर सप्लाई करने में दूरी राशि खर्च करनी पड़ रही है। स्पांट मार्केट में बिजली बेचने वाली कंपनियां इस समय नेचुरल गैस के बदले कोयले से ज्यादा बिजली बना रही हैं। इस बीच, खबर आई है कि

थर्मल पावर प्लंट्स में कोयले का स्टॉक क्रिटिकल लेवल पर पहुंच गया है। सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी के अनुसार बीते सोमवार को यह स्तर 90 तक पहुंच



गया था। मतलब कि सामान्य दिनों में कोयले का जितना स्टॉक रहता है, उसके मुकाबले महज 33 फीसदी कोयला ही उपलब्ध है।तभी तो अक्टूबर के शुरुआती सप्ताह के दौरान कोयले का डिस्पैच बढ़ा है। इस समय रोज का पावर सेक्टर डिस्पैच 1.70 मिलियन टन से भी ज्यादा का हो गया है। देश के अधिकतर राज्यों की बिजली वितरण कंपनियां पहले से ही घाटे में चल रही हैं। ऐसे में एक्सचेंज से स्पांट बिजली 7.3 रुपये प्रति यूनिट की महंगी दर पर खरीद कर वे सप्लाई करेंगे तो उनका घाटा और बढ़ेगा।

बिजली की मांग रिकॉर्ड बढ़ रही है

देश में अभी त्योहारी मौसम की शुरुआत को गई है। आने वाले त्योहार, मसलन दशहरा और दिवाली के लिए प्रोडक्शन पूरी तेजी से चल रहा है। इसलिए बिजली की पीक डिमांड 269 गीगावाट्स तक पहुंच गई है। इस बीच देश के सबसे बड़ी बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी के पावर प्लांट्स में कोयले का स्टॉक गिर कर 5.2 मिलियन टन ही रह गया है। मतलब कि सड़के अधिकतर प्लांट में महज 7 दिन का ही कोयला उपलब्ध है। इस साल अप्रैल में एनटीपीसी के पास 18.7 मिलियन टन कोयले का स्टॉक था। इतने कोयले से 25 दिनों तक बिजली बनाने में कोई बाधा नहीं आएगी। उल्लेखनीय है कि एनटीपीसी के देश के विभिन्न हिस्सों में 50 थर्मल पावर प्लांट चल रहे हैं।

कोयले की कमी नहीं होगी

हालांकि, कोयला मंत्रालय ने कहा है कि किसी भी थर्मल पावर प्लांट को कोयले की कमी नहीं होगी। बीते सोमवार को मंत्रालय की तरफ से एक बयान जारी हुआ था। उसमें बताया गया था कि सरकारी कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड ने पावर प्लांट्स को कोयल की आपूर्ति बढ़ाने के लिए कई कद उठाए हैं।

कॉपर महंगा होने से गीजर, कूलर और पंखे के दाम बढ़े, शुरू किया एल्युमीनियम का यूज

नई दिल्ली, एंजेंसी। गीजर, कूलर और पंखों का दाम 50 से 60 प्रतिशत बढ़ गया है। 2025 में जो गीजर 4 हजार रुपये का था, वो अब 5500 रुपये में बिक रहा है। इसी तरह कूलर का दाम 3 हजार से बढ़कर 4 हजार रुपये और पंखे का दाम 1500 से बढ़कर 2000 रुपये हो गया है। कमला मार्केट वेलफेयर असोसिएशन के वाइस प्रेजिडेंट रोहित सेठी ने बताया कि सालभर में कॉपर में 60 प्रतिशत, स्टील में 40 प्रतिशत और प्लास्टिक में 100 प्रतिशत की तेजी आई है। कॉपर महंगा होने की वजह से निर्माताओं ने एल्युमीनियम का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। ग्राहक ज्यादा पैसा चुकाने की स्थिति में नहीं है।

कॉपर और एल्युमीनियम दोनों ही बिजली के उपकरणों और वायरिंग में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाली धातुएं हैं। दोनों के बीच मुख्य अंतर उनकी बिजली चालकता (कंडक्टिविटी), कीमत, वजन और टिकाऊपन में होता है। रोहित ने बताया कि वैश्विक बाजार में कॉपर का भाव 14 हजार डॉलर प्रति टन से ऊपर पहुंच गया है। इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, टेलीकॉम, इंफ्रास्ट्रक्चर, निर्माण और कृषि समेत देखी उद्योग पर कॉपर की बढ़ी कीमतों का असर दिख रहा है। दरियागंज ट्रेडर्स असोसिएशन के प्रेजिडेंट राजीव अग्रवाल ने बताया कि 1 अक्टूबर से रेट 8 से 10 प्रतिशत रेट बढ़ गए हैं। दिल्ली में बहुत से डीलर्स



पुराने रेट का माल सस्ते में निकाल रहे हैं, ताकि अगले सीजन के लिए नया स्टॉक भर सकें। कॉपर पाइप का भाव सालभर में 35 प्रतिशत तेज हो गया है। 1150 रुपये किलो वाला कॉपर अब 1800 रुपये किलो हो गया है। सितंबर 2025 में GST बचत उत्सव मनाया गया, जिसमें 28 प्रतिशत टैक्स स्लैब खत्म कर दिया गया। अब इसका असर खत्म हो गया है।

‘विजय सेल्स’ स्टोर के ब्रांच मैनेजर ने बताया कि बाजार में वैल्यू के हिसाब से ग्रोथ दिखता है, लेकिन क्वांटिटी में इजाफा नहीं हो रहा है। बिजनेस

में वैल्यू ग्रोथ देखते है, तो पिछले साल की तुलना में 25 से 30 प्रतिशत की ग्रोथ है। इसमें प्रोडक्ट की कीमत बढ़ी है। पहले जो लैपटॉप का औसतन दाम 50-60 हजार रुपये था, जो बढ़कर 80-90 हजार रुपये हो गया है।

20 हजार रुपये की रेंज वाले मोबाइल की कीमत 35-40 हजार रुपये तक पहुंच गई है। अब कंपनियों का फोकस वैल्यू बेस टारगेट से हटकर क्वांटिटी बेस टारगेट पर आ गया है। नवरात्र शुरू होने जा रहे है। कंपनियों की तैयारी पूरी है। इसमें फाइनैसंस काफी सपोर्ट करते है।

यूपीआई को रखें फ्री, सरकार को चार्ज लगाने का फैसला लेना चाहिए वापस, थिंक टैंक ने किया आगाह

नई दिल्ली, एंजेंसी। सरकार को यूपीआई पर प्रस्तावित चार्ज वापस ले लेना चाहिए। ये 15 अक्टूबर से लागू होने वाले हैं। इकोनॉमिक थिंक टैंक ने गुरुवार को यह बात कही है। उसके मुताबिक, मर्चेंट्स (व्यापारियों) और ग्राहकों के लिए डिजिटल पेमेंट सिस्टम को प्री रखा जाना चाहिए। जीटीआरआई ने आगाह किया कि मर्चेंट्स से चार्ज लेने से कीमतें बढ़ सकती हैं। इससे छोटे व्यवसायों की कमाई कम होने की आशंका है। घरों की मांग कमजोर हो सकती है। यूपीआई का घट जाएगा कीमत वाला फायदा ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव ने कहा कि इन चार्ज से कार्ड के मुकाबले का कीमत वाला फायदा भी कम हो जाएगा। इससे अमेरिकी कार्ड नेटवर्क और पेमेंट प्लेटफॉर्म को फायदा होगा। उसका यह भी कहना है कि एक स्वतंत्र ऑडिट

के जरिए असल ऑर्परेटिंग कॉस्ट का पता लगाकर उसे पब्लिश किया जाना चाहिए। फाउंडर अजय श्रीवास्तव ने कहा, ‘सरकार को 15 अक्टूबर से लागू होने वाले प्रस्तावित चार्ज वापस ले लेने चाहिए। मर्चेंट्स और ग्राहकों के लिए प्री रखना चाहिए।’ यूपीआई पेमेंट की सुविधा लगभग छह साल तक पूरी तरह से फ्री रही। इसके बाद सरकार ने 15 अक्टूबर से इस प्लेटफॉर्म के जरिए मर्चेंट्स को 2,000 रुपये से ज्यादा के ट्रांसफर पर 0.4 फीसदी फीस लगाने का फैसला किया है। जबकि आम लोगों के बीच होने वाले ट्रांजैक्शन और छोटे पेमेंट को किसी भी चार्ज से अलग रखा गया है। श्रीवास्तव ने कहा कि जब ग्राहक यूपीआई का इस्तेमाल करते हैं तो बैंकों की कैश संभालने और ऋ्रव्य ब्रांच चलाने की लागत बचती है। पेमेंट

ऐप्स को ग्राहकों के खर्च का डेटा मिलता है। 55 करोड़ से ज्यादा भारतीयों वाले बाजार में लोन, इंश्योरेंस और म्यूचुअल फंड बेचने के मौके मिलते हैं। वह बोलें, ‘ये फायदे की ऑर्परेटिंग कॉस्ट को शेयर करने के पक्ष में तर्क देते हैं। अगर ये संस्थाएं सिस्टम को फंड करती हैं तो फ्री बना रह सकता है और कार्ड के मुकाबले अपना फायदा बनाए रख सकता है। मर्चेंट्स से चार्ज लेने से वह फायदा कम हो जाता है और प्रतिस्पर्धी पेमेंट नेटवर्क के लिए कमर्शियल मौके बनते हैं।’ उन्होंने आगे कहा कि 80 फीसदी से ज्यादा यूपीआई ट्रांजैक्शन संभालते हैं। अगर फीस-शेयरिंग व्यवस्था में ऐसा प्रावधान हो तो मर्चेंट फीस का हिससा कम सकते हैं। श्रीवास्तव ने कहा, ‘मार्केट में उनके कदमबे से उन्हें ऐसी कमाई का बड़ा संभावित आधार मिल सकता है।’

सबसे बड़ा सबक यही, फ्लॉप बिजनेस के बाद 30 सेकंड वाला काम, ऐसा हिट हुआ आइडिया कि अब 50 लाख का टारगेट

नई दिल्ली, एंजेंसी। यह कहानी ऐसे दोस्तों की है जिन्होंने एक फ्लॉप बिजनेस से सबक लेकर दोबारा सफल स्टार्टअप खड़ा किया। इनके नाम हैं- मनीष भल्ला और अंकित लांबा। ये दिल्ली के रहने वाले हैं। इनके पास यह बिजनेस आइडिया आज के युवाओं



की लाइफस्टाइल को देखकर आया। ऑफिस के बिजी शेड्यूल में जंक फूड या स्नैक्स इनकी मजबूरी होते हैं। इसका सॉल्यूशन निकालते हुए दोस्तों ने गुरुग्राम में हेल्दी सैलेड वेंडिंग मशीन ‘ग्रीन गेन्स’ की शुरुआत की। सिर्फ 30 सेकंड में ताजा पौष्टिक वेज या नॉन-वेज सैलेड उपलब्ध कराने वाला यह स्टार्टअप आज कॉर्पोरेट जगत में तेजी से अपनी पहचान बना रहा है। आइए, यहां इन दोस्तों की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

ऐसे आया आइडिया

दिल्ली के रहने वाले अंकित लांबा और मनीष भल्ला बचपन के दोस्त हैं। उन्होंने साल 2024 में एक कैफे के जरिए फूड एंड बेवरेज इंडस्ट्रीज में कदम रखा। हालांकि, बाद में उस बिजनेस को बंद करना पड़ा। फिर 2025 के आसपास जब मनीष और अंकित ने अपनी फिटनेस पर ध्यान देना शुरू किया तो उन्हें महसूस हुआ कि बाहर साफ-सुथरा और पौष्टिक खाना मिलना बेहद मुश्किल और महंगा है।

सामने आई ये चुनौतियां

मार्च 2025 में दोस्तों ने अपनी बचत और परिवार की मदद से इस स्टार्टअप की नींव रखी। पूंजी का 40–50 हिस्सा वेंडिंग मशीनों को आयात करने में लगाया। बाकी हिस्सा मेन्यू आरएंडडी, ब्रांडिंग और किचन सेटअप में खर्च किया। शुरुआत में सबसे बड़ी चुनौती पैकेजिंग का सही आकार तय करना और लोगों की इस मानसिकता को बदलना था कि वेंडिंग मशीन सिर्फ हिप्स या कोल्ड ड्रिंक के लिए नहीं होती हैं। इंटेंटाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस की मदद से उन्होंने ग्राहकों को कोल्ड-चेन मैनेजमेंट और डेली स्टॉकिंग प्रोसेस के बारे में जागरूक किया।

इस तरह काम करता है स्टार्टअप

नवंबर 2025 में गुरुग्राम में लॉन्च हुई ‘ग्रीन गेन्स’ अभी डीलएफ साइबर हब और डीलएफ इन्फिनिटी टावरस जैसे प्रमुख स्थानों पर 7 वेंडिंग मशीनों के साथ काम कर रही है। इसके काम करने का तरीका बेहद सरल है। ग्राहक स्क्रीन पर टैप करके अपनी पसंद का वेज या नॉन-वेज सैलेड चुनते हैं। पेमेंट करने के मात्र 30 सेकंड के भीतर वेंडिंग मशीन से उनका सैलेड बाहर आ जाता है।

जेफरीज को मोसेसा, 46 प्रतिशत बढ़ेगा कल्याण ज्वैलर्स का शेयर

नईदिल्ली, एंजेंसी। पिछले कुछ महीनों के दौरान शेयर बाजार में जहां एक तरह उठा-पटक का दौर जारी है तो वहीं दूसरी तरफ से कल्याण ज्वैलर्स के शेयरों की कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है। बीएसई के डाटा के अनुसार पिछले 3 महीने में इस स्टॉक का दाम करीब 23.95 प्रतिशत यानी करीब 24 प्रतिशत की उछाल देखने को मिली है। इस स्टॉक के प्रदर्शन को लेकर ब्रोकरेज हाउस जेफरीज बुलिश है। बता दें, सोना और चांदी के ज्वैलरी के कारोबार में है। ब्रोकरेज हाउस जेफरीज के अनुसार कंपनी के शेयरों की कीमतों में 46 प्रतिशत की तेजी देखने को मिल सकती है। जेफरीज ने कल्याण ज्वैलर्स के शेयरों के लिए 830 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। जेफरीज ने कंपनी के हायरपर लोकल विस्तार की तारीफ की है। इंटरनेशनल ब्रोकरेज ने कहा है कि

कंपनी अक्रामक कैपिटल आवंटन की जगह नपा-तुला कदम उठा रही है। बीएसई में आज



शुक्रवार को कल्याण ज्वैलर्स के शेयर 555.25 रुपये के स्तर पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का दाम 560.40 रुपये के स्तर पर भी पहुंचने में सफल रहा। लेकिन 10.41 मिनट पर स्टॉक की वैल्यू 0.50 प्रतिशत की गिरावट के बाद

था। आज स्पांट गोल्ड 0.3 प्रतिशत बढ़कर 4,147.77 प्रति औंस हो गया। दिसंबर डिलीवरी के लिए यूएस गोल्ड पन्चर्स 0.4 प्रतिशत बढ़कर 4,172.70 पर पहुंच गया। स्पांट सिल्वर भी 0.5 प्रतिशत बढ़कर 59.62 पर पहुंच गया।

551.25 रुपये के स्तर पर आ गई। बीते 6 महीने के दौरान इस कंपनी के शेयरों की कीमतों में 23.79 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, एक साल में कल्याण ज्वैलर्स के शेयरों का दाम 14.26 प्रतिशत बढ़ा है। बीते एक साल में सेंसेक्स इंडेक्स में 11.88 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। बता दें, दो साल में इस ज्वैलरी बेचने वाली कंपनी के शेयरों का दाम 23 प्रतिशत गिरा है। 13 साल में कल्याण ज्वैलर्स के शेयरों का दाम 1.19 प्रतिशत और 5 साल में स्टॉक 608 प्रतिशत बढ़ा है। बता दें, 5 साल में सेंसेक्स इंडेक्स में 20.52 प्रतिश की तेजी दर्ज की गई है। पिछले साल नवंबर के महीने में कंपनी के शेयर एक्स-डिविडेंड ट्रेड किए थे। कंपनी ने एक शेयर पर 2.50 रुपये का डिविडेंड दिया था। 1.50 रुपये का डिविडेंड दिया था।

डॉलर की तेजी थमने से अमेरिकन करेंसी में सोना दूसरी करेंसी रखने वाले खरीदारों के लिए ज्यादा सस्ता हो गया। इस बीच, बेंचमार्क 10-साल की यूएस ट्रेजरी यील्ड में लगातार दूसरे सेशन में गिरावट आई।

**HIMACHAL PRADESH
PUBLIC WORKS DEPARTMENT**

**E-Procurement Notice
(INVITATION FOR BIDS (IFB))**

1. The **Executive Engineer, HPPWD Kotkhai, Distt. Shimla**, H.P. on behalf of Governor of H.P. invites the online bids on percentage rate, in electronic tendering system, in 2 Cover System of the under mentioned work from the eligible and approved contractors / firms registered with HPPWD Department.

Sr. No.	Name of works	Estimated cost	Earnest Money	Cost of Form	Time	Eligible class of contractor
1.	C/o Link road from Ojad Manon Nalla in K.M. 0/00 to 2/254 (SH.- C/o, R/Wall at R.D 1/082 to 1/089.60, ROFD and Removal of slips between in K.M. 0/00 to 2/254)	Rs. 685388/-	Rs. 13800/-	Rs. 350/-	45 Days	Class D & Class C
2.	R/R Damages on Link road Mundadhank to Karal road in K.M. 0/00 to 2/090 (SH.- C/o, R/Wall at R.D. 1/867 to 1/889.60, R/Wall at R.D. 0/975 to 1/00.35)	Rs. 1174030/-	Rs. 23500/-	Rs. 500/-	45 Days	Class D & Class C

Tender document and other instruction scan be downloaded or viewed online from the portal <https://hptenders.gov.in> by the firm / individual registered on the website which is free of cost.

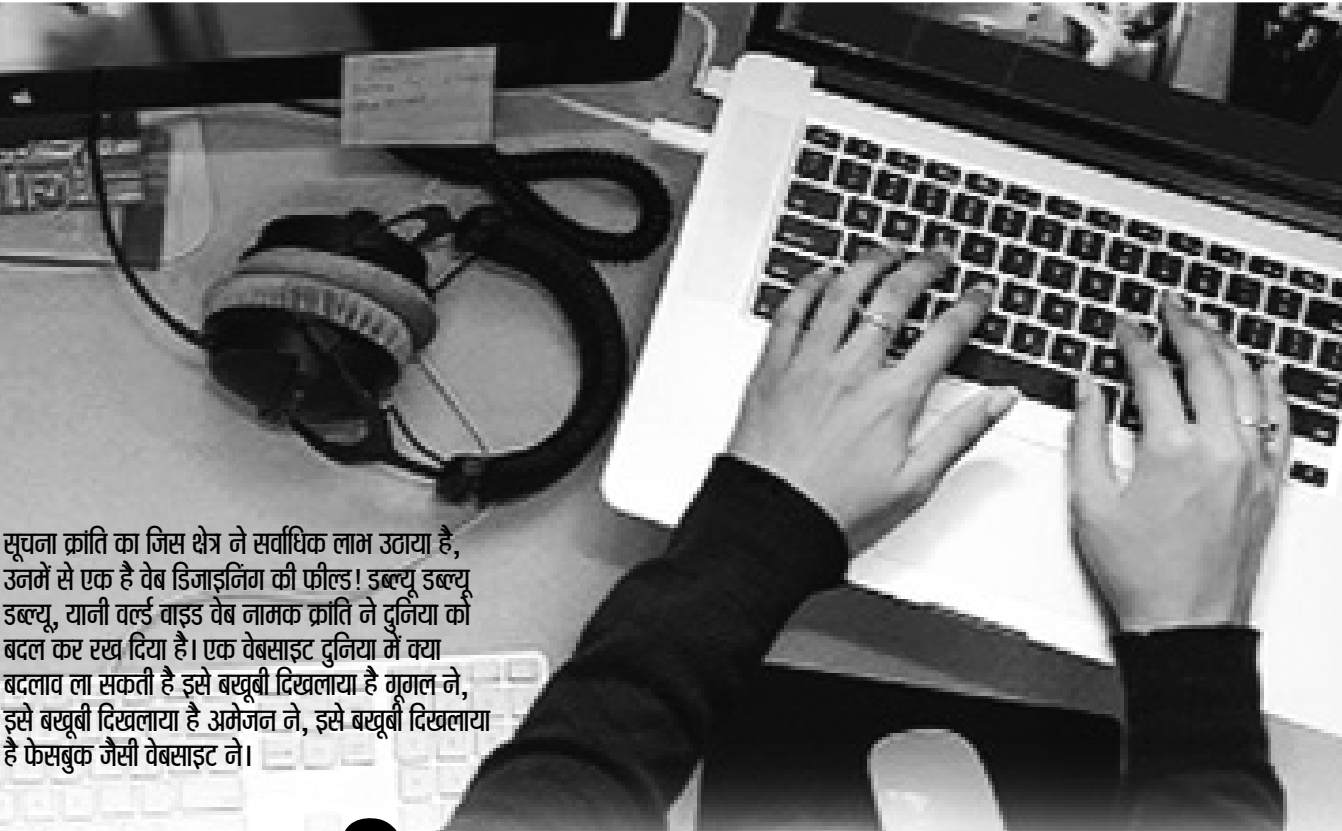
Key Dates:-

1.	Date of Online Publication	12-10-2026 10:00 HRS
2.	Document Download Start and End Date	12-10-2026 10:30 HRS upto 19-10-2026 0930 HRS
3.	Bid Submission Start and End Date	12-10-2026 10:30 HRS upto 19-10-2026 10:00 HRS
4.	Physical Submission of Tender Documents	ONLINE MODE
5.	Date of Technical Bid Opening	19-10-2026 1100 HRS
6.	Evaluation of Technical Bid flowd by Opening of Financial Bid.	Date to be announced

**Executive Engineer,
(B&R) Division HPPWD, Kotkhai.**

R.No.4023/2026-2027

On behalf of Governor of Himachal Pradesh



सूचना क्रांति का जिस क्षेत्र ने सर्वाधिक लाभ उठाया है, उनमें से एक है वेब डिजाइनिंग की फील्ड! डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू, यानी वर्ल्ड वाइड वेब नामक क्रांति ने दुनिया को बदल कर रख दिया है। एक वेबसाइट दुनिया में क्या बदलाव ला सकती है इसे बखूबी दिखलाया है गुगल ने, इसे बखूबी दिखलाया है अमेजन ने, इसे बखूबी दिखलाया है फेसबुक जैसी वेबसाइट ने।

आज भी कम नहीं हुआ है वेब डिजाइनर का महत्व

आप चाहे विकिपीडिया का नाम लें, चाहे पिलपकार्ट कहें, चाहे न्यूज की दूसरी वेबसाइट का उद्घरण दें, इसने नए युग में नई क्रांति को जन्म दिया है। छोटा बिजनेस हो, बड़ा बिजनेस हो, किसी आम या खास इंडस्ट्री से संबंधित कंटेंट की वेबसाइट हो, सामान की डिलीवरी हो या फिर कोई और काम, लोगों की ज़िंदगी में एक वेबसाइट ने आमूलचूल परिवर्तन लाया है। वस्तुतः यह कहने में हमें संकोच नहीं होना चाहिए कि शिक्षा तक की ट्रेडिशनल पद्धति को वेबसाइटों ने ना केवल बदला है, बल्कि इसकी बुनियाद को बदलने में भी अहम भूमिका निभाई है। अब जरा सोचिए! अगर इसका प्रभाव इतना व्यापक है तो इस फील्ड में कार्य करने वाले लोग भला महत्वपूर्ण क्यों नहीं होंगे सच बात तो यह है कि वेब डिजाइनर पिछले कई दशकों से महत्वपूर्ण बने हुए हैं और आज भी इनका महत्व कम नहीं हुआ है। वेब डिजाइनिंग में आप सामान्य एचटीएमएल वेबसाइट से लेकर, स्टैटिक ऑपरेशन एवं डायनेमिक बिहेवियर वाली वेबसाइट बनाते हैं और उसकी सहायता से अपने कस्टमर को लाभ भी पहुंचाते हैं। वेब डिजाइनिंग के कई भाग हैं।

डिजाइनिंग पार्ट

किसी वेबसाइट का ले आउट कैसा रहना चाहिए, इसका यूजर इंटरफेस किस डिजाइन से बेहतर होगा, इसे डिसाइड करने के लिए आप इसकी स्केचिंग करते हो। साथ में किसी सॉफ्टवेयर में इसका प्रोटोटाइप भी बनाते हो। कई लोग इसे तकनीकी लैंग्वेज में पीएसडी बनाना भी बोलते हैं। यहां डिजाइन फाइनल होती है और उसके बाद ही अगले स्टेप की तरफ कोई बढ़ता है। अगर आप इस क्षेत्र में कैरियर बनाना चाहते हैं तो एडोबी का फोटोशॉप, इलस्ट्रेटर, कोरल ड्रा जैसे सॉफ्टवेयर में आपको सिद्धहस्त होना चाहिए। इसे आप एक लेवल पर ग्राफिक डिजाइनर भी बोल सकते हैं और आप जितनी बेहतरीन डिजाइन बनाएंगे, वेबसाइट उतनी ही शानदार तरीके से तैयार होगी। इस फील्ड में उपरोक्त सॉफ्टवेयर की महारत रखने वाले लोग न केवल वेबसाइट का लेआउट बनाते हैं, बल्कि लोगो से लेकर तमाम इमेज वर्क भी इनके हाथ में होता है।

एचटीएमएल, सीएसएस की जानकारी
इसे फ्रंट एंड कोडिंग भी बोल सकते हैं। मतलब

सामने वेबसाइट जो दिखती है, उसकी कोडिंग। ब्राउजर में जब आप कोई भी यूआरएल डालते हैं, तो जो फ्रंट एंड नजर आता है वह एचटीएमएल पर चलता है। एचटीएमएल मतलब हाइपरटेक्स्ट मार्कअप लैंग्वेज। इसके कई वर्जन आ चुके हैं और हाल-फिलहाल एचटीएमएल- 5 पर कार्य हो रहा है। इसी प्रकार एचटीएमएल को खूबसूरत बनाने का काम करती है स्टाइलशीट जिसको सीएसएस (कैस्केडिंग स्टाइल शीट) बोलते हैं। यह दोनों कोडिंग लैंग्वेज ही होती हैं और इन्हें आप एक तरह से रिक्रप्टिंग भी बोल सकते हैं। वेबसाइट डिजाइन करने में जावास्क्रिप्ट भी यूज होती है, जो खासकर इवेंट के लिए प्रयोग की जाती है। जैसे माउस क्लिक करने पर क्या एक्शन होना चाहिए, माउस रोलओवर करने पर क्या एक्शन होना चाहिए, स्क्रोलिंग पर क्या एक्शन होना चाहिए, यह कार्य जावास्क्रिप्ट करती है। इसकी जानकारी आपको एचटीएमएल, सीएसएस, जावास्क्रिप्ट में मिलती है। सामान्य तौर पर इसे आसान कोडिंग लैंग्वेज कहा जाता है और आप इसमें भी महारत हासिल कर सकते हैं।

कोडिंग जोन

यह ऐसा क्षेत्र है जो असली प्रोग्रामिंग की दुनिया में बदलाव लाता है। एक सामान्य वेबसाइट और गुगल में क्या अंतर है यह डिफाइन करता है कि इसमें कोडिंग किस स्तर की हुई है एक सामान्य एचटीएमएल वेबसाइट और फेसबुक में क्या अंतर है, एक सामान्य वेबसाइट और अमेजन में क्या



अंतर है, यह कोडिंग डिसाइड करती है। कहने का तात्पर्य यह है कि मनुष्य ऊपर से जैसा भी दिखता हो, किंतु उसके मस्तिष्क में कितनी नसों हैं, ब्लड सर्कुलेशन किस प्रकार होता है यह आप प्रोग्रामिंग समझ सकते हैं। कोडिंग लैंग्वेज किसी भी वेबसाइट को नियंत्रित करती है। वह वेबसाइट चाहते गुगल जैसा कोई सर्व इंजन हो, फेसबुक जैसा कोई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हो या फिर पिलकार्ट जैसी कोई शॉपिंग वेबसाइट हो, कोडिंग ही यह तमाम चीजें तय करती है। इसमें पीएचपी से लेकर जावा और एएसपी से लेकर पाइथन और सी प्लस प्लस जैसी हेवी लैंग्वेज होती हैं, जिसके ऊपर कोई भी फंक्शन कार्य करता है। इसमें अगर आप महारत हासिल करते हैं, तो वेबसाइट में बड़ी-बड़ी फंक्शनैलिटी एंड कर सकते हैं, नयी खोज कर सकते हैं। कैरियर की बात करें तो, गुगल-फेसबुक जैसी बड़ी कंपनियों में इंजीनियर के पद पर आप मोटी सैलरी भी उठा सकते हैं या फिर अपना कोई स्टार्टअप शुरू कर सकते हैं।

वेब कंसलटेंसी

अगर आप ऊपर में से तीन चीजों में से कुछ नहीं करते हैं तो भी आपको निराश होने की जरूरत नहीं है। आप तमाम सीएमएस में से किसी एक सीएमएस में महारत हासिल करके लोगों को कंसल्टेंसी दे सकते हैं। बहुत सारी ऐसी कंपनियां हैं जो ड्रैग एंड ड्रॉप पर चलती हैं, किंतु लोगों को उसकी जानकारी नहीं होती है। जैसे वर्डप्रेस, ब्लॉगर, टैंबलर इत्यादि। तो किस प्रकार से कोई वेबसाइट बनती है, कार्य करती है, आपको इसकी जानकारी देनी होती है, जो सामान्यतः उसके ट्यूटोरियल में दिया भी होता है। इसे आप यूट्यूब से भी स्टेप बाय स्टेप सीख सकते हैं और अच्छा खासा पैसा भी कमा सकते हैं। ऊपर की चीजें ऐसी हैं जो आप फुल टाइम कर सकते हैं और अच्छी खासी अर्निंग कर सकते हैं। इसके साथ ही आपको डोमेन, होस्टिंग की भी जानकारी रखनी होती है, क्योंकि अगर आप यह कार्य करते हैं तो फिर एक संपूर्ण पैकेज के तौर पर अपने कैरियर में चार चांद लगा सकते हैं।



बेहतर भविष्य बनाने में मदद कर सकता है एआई

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को शुरुआती दौर में नौकरी छीनने की आशंका को देखते हुए सबसे बड़ा खतरा माना जाता था। लेकिन वर्तमान समय में वास्तविकता एकदम अलग है। क्योंकि एआई न सिर्फ युवाओं को नई नौकरी दिलाने में मदद करता है, बल्कि कौशल निखारने में भी अहम भूमिका निभा रहा है। छात्रों की पढ़ाई से लेकर शिक्षक और पेशेवरों को पेशेवर तौर-तरीके सिखाने में एआई मदद करता है। ऐसे में अगर आप कॉरपोरेट दुनिया में कैरियर तलाश कर रहे हैं, या फिर अपने कौशल को निखारना चाहते हैं। तो एआई आपको नए अवसरों की मदद कर सकता है।

एआई कन्वर्सेशन स्टार्टर टूल
कुछ कंपनियां ऐसी हैं, जहां पर खाली पदों को भरने के लिए कोई विज्ञापन जारी नहीं किया गया है। इसको हिडन जॉब मार्केट कहा जाता है। ऐसी नौकरी की जानकारी के लिए आपके लिए नेटवर्किंग काफी मददगार होती हैं। इसके अलावा लिंक्डइन के एआई कन्वर्सेशन स्टार्टर टूल के माध्यम से संबंधित क्षेत्र के पेशेवरों से जुड़ने एवं अपने कौशल को उजागर करने में भी सहायता मिलती है। लिंक्डइन के अलावा एंजेज और टैलियो ऐसे ऐआई टूल हैं, तो आपको नेटवर्किंग को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

रिज्यूमे और कवर लेटर
आपको बता दें कि आकर्षक रिज्यूमे और कवर लेटर बनाने में भी एआई मदद करता है। जिससे आपके कौशल नियोजन के सामने बेहतर और बेहद अच्छे तरीके से उजागर हो पाएंगे। रिज्यूमे और कवर लेटर बनाने के लिए रेजी एक ऐसा ही टूल है, जो कौशल व शैक्षणिक पृष्ठभूमि को आकर्षक आकार देता है और आपके रिज्यूमे को प्रभावी बनाता है। हायरिंग कंपनी के नाम और पद के लिए जारी किए गए विज्ञापन के आधार पर विशेष रूप से बनाया गया जॉब एप्लीकेशन भी तैयार करता है। इसके अलावा यह एप्लीकेशन व्याकरण की गलतियों को भी सुधारने में सहायक है।

इंटरव्यू के लिए भी करेगा तैयार
इंटरव्यू के दौरान पूछे जाने वाले सवालों को लेकर चिंता होना स्वाभाविक है। इसके लिए आप चैटजीपीटी की मदद ले सकते हैं। हालांकि पूरी तरह से इस पर निर्भर होना भी ठीक नहीं है। चैटजीपीटी केवल संभावित सुझावों के लिए अच्छा ऑप्शन है। आप कंपनी और पद का नाम डालकर इंटरव्यू में पूछे जाने वाले संभावित प्रश्नों की लिस्ट और उस दौरान आपको किन बातों का ख्याल रखना चाहिए, इसके बारे में जान सकते हैं। आप चैटजीपीटी द्वारा सुझाए गए कौशल और क्षमताओं के आधार पर अपने उत्तर को बेहतर बना सकते हैं। प्रमोशन के लिए एआई सिर्फ नौकरी दिलाने में ही मदद नहीं कर रहा बल्कि इसकी मदद से आप पेशेवर प्रमोशन पाने तक का सफर भी तय कर सकते हैं। चैटजीपीटी और जेमिनी आदि के जरिए आप बॉस से अपने प्रमोशन संबंधी बात करने तरीके के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं।



विदेश में करना चाहते हैं जॉब, तो इंजीनियरिंग की इस ब्रांच का कोर्स कर लें

अगर आप भी अपना करियर इंजीनियरिंग में बनाना चाहते हैं तो पहले जान लें सबसे बेस्ट इंजीनियरिंग ब्रांच के बारे में। इंजीनियरिंग की इस ब्रांच में कोर्स करते हैं तो आपको विदेश में जाने का सुनहरा मौका मिलेगा। मिलती है लाखों में सैलरी। अगर आप भी विदेश में इंजीनियरिंग की जॉब करना चाहते हैं। तो जान लें कौन-सी ब्रांच में कोर्स करना चाहिए।

आजकल ज्यादातर लोगों की पसंद इंजीनियर बनना होता है। अगर आप भी करियर में इंजीनियरिंग बनने का सपना देख रहे हैं तो यह लेख आपके लिए है। विदेश की टॉप कंपनियों में काम करने के लिए हर किसी का एक ड्रीम होता है। अगर आप भी विदेश में इंजीनियरिंग की जॉब करना चाहते हैं। तो जान लें कौन-सी ब्रांच में कोर्स करना चाहिए।

विदेश में मिलती है जॉब

अगर आप इंजीनियरिंग करना चाहते हैं तो आपको बता दें कि कॉलेज के कैंपस प्लेसमेंट में मल्टी नेशनल कंपनियां भी हिस्सा लेती हैं। विदेश में जॉब करने की इच्छा आप रखते हैं

तो इंजीनियरिंग ब्रांच में आप भी देख लें। **Btech ECE** विदेश में जॉब करने की चाहत रखने वाले लोग बीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग ब्रांच की डिमांड जॉब मार्केट में काफी ज्यादा है।

BTECH Computer Science Btech CSE कोर्स करने से विदेशी कंपनियां जॉब ऑफर करती है। बीटेक CSE के छात्रों को Google, Infosys और microsoft जैसी कंपनियों में लाखों के पैकेज वाले जॉब ऑफर मिलता है। **BTECH Chemical Engineering** विदेश में इंजीनियरिंग की इस ब्रांच की काफी डिमांड है। कैमिकल इंजीनियर्स को विदेशी कंपनियों में आसानी से लाखों के पैकेज पर जॉब ऑफर होता है। आप भी इस ब्रांच में कोर्स कर सकते हैं।

Btech Data Science बीटेक डेटा साइंस एक बेहतरीन इंजीनियरिंग ब्रांच में से एक है। आपको बता दें कि देश के टॉप IITs, NITs और IIITs में यह कोर्स कराया जाता है।

पंचायती भूमि शुरू होगी प्राकृतिक खेती : श्याम सिंह राणा

जगदीश, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि प्रदेश सरकार पंचायती भूमि पर भी प्राकृतिक खेती शुरू करेगी। इसके लिए पंचायतों को अपनी भूमि पर प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। प्रथम चरण में अगले वर्ष के प्रारम्भ में पंचायती भूमि के 10 फ़ीसदी हिस्से को प्राकृतिक खेती करने के लिए पट्टे पर दिया जाएगा।

श्री राणा अपने कार्यालय में ‘बजट-घोषणाओं’ तथा ‘सीएम-घोषणाओं’ से संबंधित बैठक में अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री विजयेंद्र कुमार भी उपस्थित थे।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने अधिकारियों को आम-बजट में की घोषणाओं को जल्द से जल्द अमलीजामा पहनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की 800 एकड़ भूमि पर तो प्राकृतिक खेती की ही जाएगी, साथ ही साथ अब पंचायती भूमि पर भी प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि प्राकृतिक खेती से होने वाली उपज की बिक्री के लिए अनाज मंडियों में अलग व्यवस्था की जाएगी।

श्री श्याम सिंह राणा को अधिकारियों ने जानकारी दी कि पिछले वर्ष जहां एक लाख एकड़ सेमाप्रस्त भूमि को ठीक किया था वहीं इस वर्ष एक लाख 40 हजार एकड़ भूमि को दुरुस्त करने का लक्ष्य रखा है। इसमें से अभी तक लगभग 22 हजार एकड़ भूमि को ठीक कर दिया गया है। उन्होंने ‘मेरा पानी मेरी विरासत’ योजना योजना के तहत धान की जगह अन्य फसलों की बुआई करने पर दिए जाने वाले अनुदान की भी समीक्षा की। उन्होंने खेतों की मिट्टी के साथ-साथ ट्यूबवेल के पानी की जाँच में तेजी लाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को इस पानी की जाँच करवाने के लिए किसानों को जागरूक करने तथा उनको प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। अब तक लगभग 3 हजार किसानों ने अपने ट्यूबवेल के पानी की जाँच करवाई है।

राज्य एनएसएस पुरस्कार 2025-26

31अक्टूबर तक भेजे जा सकेंगे नामांकन: मंत्री महीपाल दांडा

जगदीश, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के शिक्षा मंत्री श्री महिपाल दांडा ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समन्वयकों, अधिकारियों तथा स्वयंसेवकों को सम्मानित करने के लिए उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा ‘राज्य एनएसएस पुरस्कार 2025–26’ प्रदान किए जाएंगे। इसके लिए राज्य एनएसएस सेल द्वारा विश्वविद्यालय तथा जिला एवं पॉलिटेक्निक स्तरीय एनएसएस इकाइयों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। शिक्षा मंत्री ने बताया कि वर्ष 2025–26 हेतु कुल 42 पुरस्कार दिए जाएंगे, जिनमें विश्वविद्यालय एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक के लिए 1, जिला/पॉलिटेक्निक एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक के लिए 1, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी एवं इकाई के लिए 30 तथा एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए 10 पुरस्कार शामिल हैं। समन्वयकों हेतु 3 वर्ष तथा कार्यक्रम अधिकारियों व स्वयंसेवकों हेतु 2 वर्षों की गतिविधियों और उपलब्धियों का सत्यापित रिकॉर्ड अनिवार्य होगा।

उन्होंने बताया कि केवल उचित माध्यम से भेजे गए नामांकन ही स्वीकार किए जाएंगे। सीधे भेजे गए, ई-मेल द्वारा प्रेषित या बिना दस्तावेजों वाले आवेदन रद्द कर दिए जाएंगे। इसके अलावा, केवल एनएसएस के बैनर तले आयोजित गतिविधियाँ ही मान्य होंगी।

हिंसा से पीड़ित महिलाओं के लिए संबल बनीं हरियाणा सरकार की 'सखी - वन स्टॉप सेंटर' योजना

जगदीश, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा में हिंसा से पीड़ित महिलाओं के लिए ‘सखी – वन स्टॉप सेंटर’ योजना एक बड़ा संबल साबित हो रही है। ‘सशक्त महिला, सुरक्षित महिला’ के संदेश के साथ कार्य कर रहे इन केंद्रों के माध्यम से शारीरिक, यौन, भावनात्मक, मानसिक या आर्थिक हिंसा से प्रभावित महिलाओं को एक ही छत के नीचे सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। एक सरकारी प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में वर्तमान में 22 वन स्टॉप सेंटर पूरी तरह से क्रियाशील हैं। इनमें से 10 सेंटर अपने स्वयं के भवनों से संचालित हो रहे हैं तथा 5 नए अतिरिक्त वन स्टॉप सेंटर भी स्थापित किए जा रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से सितंबर 2026 तक कुल 66,818 मामलों का निवारण और सहायता प्रदान की जा चुकी है। प्रवक्ता ने आगे बताया कि इन केंद्रों पर पीड़ित महिलाओं को तत्काल चिकित्सा सहायता, मुकदमे के लिए कानूनी सहायता, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक परामर्श, एकआईआर दर्ज करवाने व पुलिस सुरक्षा में सहायता तथा 20 दिनों तक का अल्पकालिक सुरक्षित अस्थायी आश्रय प्रदान किया जाता है। इस अस्थायी आश्रय में महिलाओं और उनके बच्चों (किसी भी उम्र की लड़कियां तथा 12 वर्ष तक के लड़के) के लिए बुनियादी सुविधाएं शामिल हैं। यदि किसी पीड़िता को 20 दिनों से अधिक समय के प्रवास या दीर्घकालिक पुनर्वास की आवश्यकता होती है, तो उन्हें नारी निकेतन (करनाल), महिला आश्रम (रोहतक) जैसे सरकारी संस्थानों या भाई कन्हैया लाल ट्रस्ट (सिरसा), आशियाणा, करनाल द अर्थ सेवियर्स फाउंडेशन जैसी एनजीओ संस्थाओं में भेज दिया जाता है।

स्वास्थ्य मंत्री ने गुरुग्राम में 22 करोड़ की लागत के तीन विकास कार्यों का किया शिलान्यास



जगदीश, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा की स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान तथा आयुष मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि हम राजनीति अपने लिए नहीं, बल्कि जनता के हितों और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए करते हैं। हमारा उद्देश्य जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को सुनना, उनकी जरूरतों को समझना और उनका समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि होने के नाते हमारी जिम्मेदारी है कि हम जनता और सरकार के बीच एक मजबूत सेतु बनें, ताकि सरकार की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे और लोगों को अपने छोटे-बड़े कार्यों के लिए अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

स्वास्थ्य मंत्री शुक्रवार को गुरुग्राम के वार्ड 15 में विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास करने उपरंत उपस्थित जन को संबोधित कर रही थीं। कार्यक्रम में पटौदी की विधायक बिमला चौधरी और सोहना के विधायक तेजपाल तंवर भी मौजूद रहे। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि गुरुग्राम तेजी से विकसित हो रहा शहर है और भविष्य में इसकी आबादी तथा स्वास्थ्य सेवाओं की जरूरतें और बढ़ेंगी। ऐसे में हमारी प्राथमिकता है कि शहर के विस्तार और लोगों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य सुविधाओं को लगातार मजबूत किया जाए। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम नगरिक अस्पताल का ड्राइंग कार्य पूरा हो चुका है। जल्द ही सभी आवश्यक प्रक्रियाओं के तहत भरातल पर कार्य का शुभारम्भ किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि लोगों की मांग के अनुरूप स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक सुविधाओं का विस्तार, चिकित्सा सेवाओं का सुदृढ़ीकरण तथा आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे।

चंडीगढ़/ हरियाणा / पंजाब

समाधान शिविरों में आने वाली समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर करें समाधान - मुख्यमंत्री



जगदीश, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि समाधान शिविर सरकार की फ्लैगशिप योजना है। इसलिए सभी अधिकारी हर जिलों में लगाए जा रहे शिविरों में आने वाली समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करें। हर समस्या का समाधान नवीनतम तकनीकी का लाभ उठाते हुए करें जिससे कोई भी समस्या लम्बित नहीं रहेगी।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को चण्डीगढ़ में समाधान प्रकोष्ठ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के ओएसडी बीबी भारती, स्पेशल ऑफिसर भोपाल सिंह खदरी भी मौजूद रहे। इसके

अलावा सभी जिलों के उपायुक्त एवं प्रशासनिक अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीधे जुड़े।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाधान प्रकोष्ठ शिकायत निवारण प्रक्रिया दोहरी सत्यापन व्यवस्था एवं राज्य स्तरीय कार्रवाई का ढांचा है। इसमें समस्याओं को रीओपन कर विस्तार से समीक्षा की जाती है और संबंधित शिकायतकर्ता से फोन करके उसके बारे में जानकारी ली जाती है। इसलिए राज्य स्तर पर 5591 शिकायतें दोबारा खोली गई हैं। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल के दौरान समाधान शिविरों में 92848 शिकायतें आईं, जिनमें से 55365 शिकायतों का समाधान किया गया।

40000 लोगों से फोन कर

हरियाणा में फसल विविधीकरण को मजबूत करने के लिए कृषि-वानिकी और पुष्पकृषि (एग्लोरीकल्चर) को बढ़ावा देने पर एचकेकेपी ने बैठकें आयोजित की

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा किसान कल्याण प्राधिकरण (एचकेकेपी) ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में हरियाणा में कृषि-वानिकी को बढ़ावा देने और पुष्पकृषि को बढ़ावा देने पर कार्य समूहों (वर्किंग ग्रुप्स) की बैठकें आयोजित कीं। इन बैठकों में फसल विविधीकरण के अवसरों की तलाश करने, किसानों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने और टीकाऊ एवं लाभकारी कृषि पद्धतियों के माध्यम से कृषि आय बढ़ाने के लिए व्यावहारिक रणनीतियों की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

एचकेकेपी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. आर. एस. चैहान ने संबंधित कार्य समूहों के सदस्यों का स्वागत किया और अनुसंधान-आधारित, किसान-उन्मुख और लागू करने योग्य सिफारिशें तैयार करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने हरियाणा की विविध कृषि-जलवायु परिस्थितियों के अनुकूल वैकल्पिक कृषि गतिविधियों की तलाश करने और संस्थागत सहायता, बाजार लिंकेज एवं उपयुक्त तकनीकों तक पहुंच को मजबूत करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों कार्य समूह इन क्षेत्रों को बढ़ावा देने और किसानों की आजीविका में सुधार के लिए व्यापक रोडमैप तैयार करेंगे।

राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ-2026 के लिए पंचकूला में 14 अक्टूबर को होंगे ट्रायल, 30 खेलों में खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। जिला खेल अधिकारी, राजबीर रंगा ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति खेल विभाग, हरियाणा सरकार द्वारा राज्य स्तरीय खेल महाकुम्भ-2026 का आयोजन करवाया जाना है। इस वर्ष यह प्रतियोगिता लगभग 30 खेलों (आर्चरी, एथैलेटिक्स, बैडमिंटन, बॉक्सिंग, बास्केटबाल, साईकलिंग, कनोईंग, फेंसिंग, फुटबाल, नेटबाल, कराटे, श्रोबाल, बेसबाल, जिम्नास्टिक, हॉकी, जूडो, कबड्डी, रोईंग, लॉन टैनिस, रूटिंग, तैराकी, टेबल टैनिस, कुश्ती, वेट लिफ्टिंग, वालीबाल, हैण्डबाल, चताईक्वाण्डो, क्रिकेट, खो-खो तथा वुशु) में करवाई जानी है।

उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रतिभागिता करने वाले इच्छुक खिलाडी का 14 अक्टूबर लडकों तथा लड़कियों का उक्त खेलों में ट्रायल लिया जायेगा। इसलिए इच्छुक खिलाडी संबंधित खेल में प्रतिभागिता करने के लिए उक्त तिथि अनुसार पंचकूला में पहुंचना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने बताया कि एथैलेटिक्स, बॉक्सिंग, बास्केटबाल, फेंसिंग, जिम्नास्टिक, वालीबाल (लडके), हॉकी, जूडो, लॉन टैनिस, टेबल टैनिस, वेट लिफ्टिंग, हैण्डबाल, चार्डक्वाण्डो, तथा वुशु आदि खेल के लिए ट्रायल का स्थान ताऊ देवीलाल खेल परिसर, सेक्टर-03, पंचकूला रहेगा।

बीटीसी भानू में तृतीय अखिल भारतीय पुलिस हैडबॉल कलस्टर 2026 का भव्य शुभारंभ

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल के बेसिक ट्रेनिंग सेंटर (बीटीसी), भानू में आज तृतीय अखिल भारतीय पुलिस हैडबॉल कलस्टर 2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। 9 से 13 अक्टूबर 2026 तक आयोजित इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तरीय खेल आयोजन के अंतर्गत हैडबॉल प्रतियोगिता तथा बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। देश के विभिन्न केंद्रीय सरसन्न पुलिस बलों एवं राज्य पुलिस संगठनों के प्रतिभाशाली खिलाडी इन दोनों प्रतियोगिताओं में अपनी खेल प्रतिभा, शारीरिक दक्षता, अनुशासन और टीम भावना का प्रदर्शन कर रहे हैं।

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि श्री संजय गुंजियाल, आईएएस , अपर महानिदेशक, भारत तिब्बत सीमा

पुलिस बल रहे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेलों को पुलिस

बलों में शारीरिक एवं मानसिक दक्षता विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग ले रहे सभी खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन तथा

खेल भावना के साथ मुकाबलों में भाग लेने के लिए शुभकामनाएं दीं।

समस्या के समाधान बारे ली जानकारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाधान की गई शिकायतों में से 40000 शिकायतकर्ताओं से सीधे फोन कर समस्या के समाधान बारे राज्य स्तर पर जानकारी ली गई तथा 11500 शिकायतों का रीओपन होने के बाद निवारण हुआ है। यह बहुत ही सराहनीय कार्य किया गया। उन्होंने कहा कि रीओपन प्रतिशत अधिक नहीं होना चाहिए, जिन जिले की 35 प्रतिशत से ज्यादा शिकायतें रीओपन हुई हैं तो वे जिले स्टेट एवरेज में आने के लिए बेहतर कार्य करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी शिविर में आई समस्याओं को लेकर कोई औपचारिकता न करते हुए, उनका

समाधान निकालने का कार्य करें। यदि इन समस्याओं का मौके पर ही समाधान हो जाता है, तो जनता को उनका तत्काल लाभ मिलेगा। जनता से सीधे मिलें और समस्या बारे विस्तार से जानकारी लें, जिससे उनकी सुनवाई एवं समाधान बेहतर किया जा सकेगा और समस्या दोबारा भी नहीं आएगी। इसलिए समाधान शिविर में आए व्यक्ति की समस्या के निवारण करने के कार्य में तेजी लाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी पूर्ण तालमेल एवं आपसी सामंजस्य के साथ समस्याओं का निपटारा करें। इसके अलावा, हर समाधान शिविर में किसी जिम्मेदार अधिकारी की दृष्ट्युटी लगाई जाए। यदि ऐसा नहीं पाया गया तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

पंचकूला में पहली बार सजेगा ऐतिहासिक गरबा- डांडिया का महा-पंडाल

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। पंचकूला के सांस्कृतिक इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। शहर में पहली बार बेहद भव्य और वृहद स्तर पर 9 दिवसीय ‘गरबा व डांडिया उत्सव’ का आयोजन किया जा रहा है। श्री रतनलाल कटारिया सेवा ट्रस्ट और होटल पल्लवी ग्रैंड के संयुक्त तत्वाधान में सजने वाला यह सांस्कृतिक महाकुंभ 11 अक्टूबर से शुरू होकर 19 अक्टूबर तक समूचे ट्राईसिटी को उत्सव के रंग में सराबोर करेगा।

इस ऐतिहासिक महोत्सव का विधिवत शुभारंभ हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्ष श्रीमती सुमन सैनी के कर-कमलों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया जाएगा। उद्घाटन के पावन अवसर पर 11 अक्टूबर को आम जनता के लिए प्रवेश पूरी तरह से

कारोबारी सुगमता और औद्योगिक निवेश बढ़ाने को 28 सूत्री सुधार एजेंडा पर काम

कारोबारी नियमों के सरलीकरण और एमएसएमई इकोसिस्टम को मजबूत करने में जुटा हरियाणा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार प्रदेश को कारोबार और निवेश के लिए अधिक अनुकूल बनाने के उद्देश्य से नियामकीय सुधारों के साथ-साथ सरकारी प्रक्रियाओं को सरल बनाने और प्रशासनिक व्यवस्था को उद्यमियों के अनुकूल बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। इसके लिए राज्य सरकार 28 सूत्री सुधार एजेंडा पर काम कर रही है।

यह जानकारी आज अनुपालन में

कमी लाने और नियामकीय प्रक्रियाओं के

सरलीकरण से जुड़े अभियान के दूसरे चरण के क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए हुई उच्चस्तरीय बैठक में दी गई। बैठक की अध्यक्षता कैबिनेट सचिवालय के विशेष सचिव श्री के.के. पाटिल और हरियाणा के गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुधीर राजपाल ने की।

बैठक के दौरान श्री के.के. पाटक ने भवन निर्माण उप-नयमों को सरल बनाने तथा नियामकीय प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के हरियाणा के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि भवन निर्माण संबंधी नियमों को अधिक व्यावहारिक, पारदर्शी और कारोबार के अनुकूल बनाने से अनुमोदन प्रक्रिया में तेजी आएगी तथा कारोबारी सुगमता को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त

सेवा संकल्प अभियान के तहत मोरनी में सेवा सेतु शिविर आयोजित



हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)।सेवा संकल्प अभियान के तहत शुक्रवार को बीडीपीओ कार्यालय, मोरनी में सेवा सेतु अभियान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर नागरिकों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, पात्रता एवं आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी गई। पात्र लाभार्थियों से मौके पर ही आवेदन प्राप्त कर आवश्यक कार्रवाई भी की गई।

भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष श्री अजय शर्मा शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया तथा अधिकारियों से संबंधित योजनाओं के तहत नागरिकों को दिए जा रहे लाभ की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि शिविर में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की बात धैर्यपूर्वक सुनी जाए और उसकी पात्रता के अनुसार उसे संबंधित योजनाओं की जानकारी दी जाए, ताकि वह पात्र

अवसर पर बीडीपीओ मोरनी विनय प्रताप

जिला समाज कल्याण अधिकारी श्री विशाल सैनी, जिला महामंत्री श्री भुवनजी

सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी

एवंकमचारी उपस्थित रहे। शिविर के दौरान

वैध फैमिली आईडी वाले पात्र लाभार्थियों

का पंजीकरण किया गया। सेवा सेतु पोर्टल

के माध्यम से प्राप्त आवेदनों पर मौके पर

ही आवश्यक कार्रवाई की गई। शिविर में

कुल 80 लाभार्थियों का सेवा सेतु पोर्टल

पर सफलतापूर्वक पंजीकरण किया गया।

शिविर में नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग,

सिबिल सर्जन कार्यालय, उद्योग एवं

वाणिज्य विभाग, पशुपालन एवं डेयरी

विभाग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम

(एमएसएमई) विभाग, हरियाणा महिला

विकास निगम, ग्रामीण विकास विभाग,

जिला रेडक्रॉस सोसाइटी तथा जिला बाल

कल्याण विभाग सहित विभिन्न विभागों द्वारा

स्टॉल लगाए गए।

नि:शुल्क (फ्री) रहेगा।

इस संबंध में आयोजित एक विशेष पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए हरियाणा राज्य अनुसूचित जाति आयोग की चेयरपर्सन श्रीमती बंती कटारिया ने बताया कि यह गरिमामयी आयोजन देश भर में चल रहे ‘सेवा संकल्प अभियान’ (17 सितंबर से 17 अक्टूबर) के तहत किया जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा, ‘इस उत्सव की मुख्य थीम ‘नरेश से दूर, अपनी सन्मान संस्कृति के साथ’ तय की गई है। हमारा संकल्प आज की युवा पीढ़ी को नरेश की गत से बाहर

निकालकर अपनी गौरवशाली सनातन

संस्कृति, मर्यादा और संस्कारों से रूबरू

कराना है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी

के ‘विजन 2047’ के अनुरूप आत्मनिर्भर

और सशक्त भारत की नींव युवा शक्ति

ही है। इसी ताकत के बल पर भारत

वैश्विक पटल पर ‘सोने का शेर’ बनकर

दहाड़ेगा।’

पत्रकार वार्ता में विशेष रूप से मौजूद

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री जानचंद

गुला ने इस अनूठी पहल की सराहना

करते हुए कहा कि भारत की सनातन

संस्कृति सदैव समावेशी रही है।

डॉ. अग्रवाल ने कहा कि सरकार का उद्देश्य जटिल और अनुमति-आधारित नियामकीय व्यवस्था को सरल एवं पूर्वानुमेय प्रणाली में बदलना है, ताकि उद्यमी अधिक वि्वास के साथ अपने कारोबार में निवेश कर सकें, उसका विस्तार कर सकें और संचालन कर सकें।

उन्होंने बताया कि एक महत्वपूर्ण विधायी पहल के तहत राज्य विधानसभा द्वारा गत 01 सितंबर को हरियाणा राइट टू बिजनेस विधेयक, 2026 को पारित किया गया। यह पहल नए उद्यमों के लिए प्रक्रियागत औपचारिकताओं को कम करने तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए अधिक सहयोगी वातावरण तैयार करने के सरकार के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है।

महिला सशक्तिकरण के लिए हरियाणा सरकार की बड़ी पहल

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं को प्रोत्साहित व सम्मानित करने के उद्देश्य से महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा वर्ष 2026–27 के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कारों हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।इच्छुक पात्र आवेदक 5 नवंबर, 2026 तक वेबसाइट onlinecmis.wcdhry.gov.in/gaurav के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि विभिन्न श्रेणियों में दिए जाने वाले महत्वपूर्ण पुरस्कारों में 5 लाख रुपये की राशि, प्रशस्ति पत्र और शॉल के साथ ‘श्रीमती सुष्मा स्वराज पुरस्कार’, 1,50 लाख रुपये की राशि व प्रशस्ति पत्र के साथ ‘इंदिरा गांधी महिला शक्ति पुरस्कार’, 1 लाख रुपये की राशि एवं प्रशस्ति पत्र के साथ ‘कल्पना चावला शौर्य पुरस्कार’ तथा 1 लाख रुपये की राशि व प्रशस्ति पत्र के साथ ‘बहन शजो देवी पंचायती राज पुरस्कार’ शामिल हैं। इसके अलावा सरकारी कर्मचारी, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं महिला उद्यमी श्रेणियों में भी विजेताओं को 21 हजार रुपये की नकद राशि, प्रशस्ति पत्र और शॉल प्रदान किए जाएंगे। प्रवक्ता ने आगे बताया कि जिला स्तर पर प्राप्त सभी आवेदनों की जांच जिला स्तरीय अनुशंसा समिति द्वारा की जाएगी। समिति द्वारा अनुशंसित पात्र मामलों का आवश्यक सत्यापन व पुलिस वरिफिकेशन कराने के बाद निर्धारित समय-सीमा के भीतर मामलों को मुख्यालय भेजा जाएगा।

अनुशासन, आत्मसंयम और त्याग का पावन

कर्तव्य है, वह पूरे समाज के लिए अनुकरणीय।

प्रत्येक व्यक्ति को संतों की शिक्षाओं को जीवन

में आत्मसारा करते हुए धार्मिक मूल्यों के साथ

सामाजिक जिम्मेदारियों का भी निर्वहन करना

चाहिए।

कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने मुख्यमंत्री

नायब सिंह सैनी की ओर से जैन समाज को

शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री एक

आवश्यक कदम और व्यस्त कार्यक्रम के कारण

में उपस्थित नहीं हो सके। उन्होंने इस

पावन आयोजन के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए

उन्हें अपने प्रतिनिधि के रूप में भेजा है। विपुल

गोयल ने भावान महावीर स्वामी और चंदनबाला

के प्रसंग का उल्लेख करते हुए अभिग्रह के

आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला।



की प्रेरणा देती हैं।

शुक्रवार को भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना

गुप्ता, शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल,

शिक्षा मंत्री महिपाल दांडा और विधायक प्रमोद

विज ने सेक्टर-25 में श्री एस.एस. जैन सभा